"महाविद्यालय का गुणवत्ता वक्तव्य"

गुणवत्ता एक यात्रा है। यह निर्माण प्रक्रिया है जिसमें थोड़े-थोड़े अंतराल पर ठहराव, चिंतन, योजना, संचलन और समीक्षा जैसी स्थितियां आती हैं। इस प्रक्रिया की गतिशीलता इन्हीं स्थितियों में प्रतिबिंबित और कैद होती है। इसके ग्राफ में सपाट वक्र के स्थान पर उतार-चढ़ाव दिखाई देते हैं। गुणवत्ता की खोज सतत प्रक्रिया है और उच्च शिक्षा केन्द्र के रूप में इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय इसके लिए प्रतिबद्ध है।

उच्च शिक्षा केन्द्र के रूप में महाविद्यालय निम्न क्षेत्रों में गुणवत्ता के लिए प्रयासरत है :

i. पाठ्यक्रम संवर्धन और योजना
ii. शैक्षणिक मानक
iii. संस्थागत अवसंरचना
iv. रखरखाव
v. सामाजिक कार्य
vi. पेशेवर बातचीत
vii. कर्मचारी नियोजन

संचालन

गुणवत्ता अपने आप में समाप्ति नहीं है और यदि किसी उच्च शिक्षा संस्था के दैनिक कार्यकलापों में यह यहाँ-वहाँ परिलक्षित नहीं होती तो इसका कोई औचित्य नहीं है। इस सांसारिक से दिखलाई देने वाले किन्तु विशाल लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय द्वारा -

I. प्रति वर्ष तीन या चार क्षेत्रों से संबंधित रूपरेखा तैयार की जाती है
II. पूर्व गतिविधियों की उपलब्धियों और व्यवधानों को समेकित किया जाता है
III. जवाबदेही की पुष्टि के लिए रणनीति तैयार की जाती है
IV. योजनाओं और रणनीति की समीक्षा की जाती है
V. नैतिक मानकों को सुदृढ़ किया जाता है

डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
प्राचार्या